3. स्वरों की मात्राएँ

उचित मात्रा ज्ञान भाषा के शुद्ध लेखन और उच्चारण का परिचायक होता है। हिंदी भाषा उच्चारण पर आधारित होती है अर्थात् यह जैसी बोली जाती है वैसी ही लिखी जाती है। अत: मात्राओं का भली-भाँति ज्ञान होना प्रत्येक बच्चे के लिए प्रारंभिक शिक्षा से ही आवश्यक माना गया है।

शिक्षण-संकेत

- ❖ बच्चे पिछली कक्षाओं में मात्राओं के बारे में पढ़ चुके हैं तथा उन्हें लगाना भी सीख गए हैं। फिर भी पुनरावृत्ति सदैव आवश्यक होती है।
- ❖ पाठ पृष्ठ 14 पर दी गई मात्राओं की दो पंक्तियाँ पढ़ें। पृष्ठ पर दिए चित्र और शब्दों को पढ़वाकर बच्चों से उनका अंतर जानें। फिर समझाएँ, मात्रा लगने से इन शब्दों के उच्चारण तथा अर्थ में अंतर आ गया है।
- ❖ बच्चों को बताएँ, मात्राएँ स्वरों की होती हैं, जो व्यंजनों पर लगाई जाती हैं।

  केवल 'अ' स्वर की कोई मात्रा नहीं होती पर वह प्रत्येक व्यंजन में सम्मिलित होता है। अ स्वर के बिना व्यंजन आधे लिखे तथा बोले जाते हैं, जैसे– क् (चक्की) म् (अम्मा) आदि।
- ❖ अन्य स्वर व्यंजनों के साथ अपने मात्रा रूप में लगाए जाते हैं। उदाहरण की सहायता से ब्लैकबोर्ड पर लिखकर समझाएँ। जैसे– म् + आ + ल् + ई = माली,

  च् + ऊ + ह् + आ = चूहा आदि।
- ❖ सभी मात्राओं को वर्णों पर लगाकर दिखाएँ। पृष्ठ 15 पर दी गई स्वरों की मात्राएँ व्यंजनों पर लगाकर शब्द पढ़वाएँ।
- ❖ प्रत्येक बच्चे पर ध्यान दें।
- ❖ इ-ई (ि ी) तथा उ-ऊ (ु ू) की मात्राओं का उच्चारण अंतर स्पष्ट रूप से समझाएँ। छोटी इ, बड़ी ई या छोटा उ, बड़ा ऊ द्वारा मात्रा भेद सिखाना अशुद्ध है। ऐसा न करें। बल्कि इ तथा उ की मात्रा का उच्चारण लघु तथा ई-ऊ की मात्रा का उच्चारण दीर्घ रूप में करते हुए अंतर भेद स्पष्ट करें।
- ❖ ऋ की मात्रा (ृ) वर्ण के नीचे लगाई जाती है। बताएँ कि इसका उच्चारण रि की तरह होता है। सभी बच्चों से गृह, कृषि, कृषक, मृग आदि शब्दों का कई बार उच्चारण करवाएँ।
- ❖ अनुस्वार (ं), अनुनासिक (ँ) तथा विसर्ग (:) की मात्राओं के बारे में बताएँ।

पृष्ठ 15 पर दिए इन मात्राओं के शब्दों तथा वाक्यों को बच्चों से पढ़वाएँ।

- ❖ सभी बच्चों को पढ़ने का अवसर दें।
- ❖ र में उ-ऊ की मात्रा भिन्न रूप से लगती है, बताएँ। उ-ऊ की मात्रा र के मध्य में लगाई जाती है– रूप, रुपया आदि द्वारा समझाएँ।
- ❖ बच्चों को मात्राएँ लगाने का अभ्यास करवाएँ तथा मात्रा युक्त वर्णों एवं शब्दों का उच्चारण भी करवाकर देंखे कि बच्चे मात्रा लगाना और मात्रा का उच्चारण करना भली-भाँति सीख गए हैं।
- ❖ अभ्यास करवाने में यथासंभव सहयोग करें।